"एलडब्ल्यूई ऑपरेशनल एप्रिसिएशन कोर्स" क्रमांक संख्या- 29 (ऑनलाइन)

(05 से 10 जुलाई/2021तक)

देश में कोविड-19 महामारी के बीच ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के संचालन की अभिनव पहल की निरंतरता में, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, सीआरपीएफ ने एलडब्ल्यूई ऑपरेशनल एप्रिसिएशन कोर्स क्रमांक संख्या- 29 (ऑनलाइन) पाठ्यक्रम का आयोजन किया । इस कोर्स में सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट से कमांडेंट रैंक के 47 अधिकारियों ने भाग लिया।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य वामपंथी उग्रवाद और अन्य संघर्ष थिएटरों में परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और सीआरपीएफ के अधिकारियों के युद्ध कौशल को सुधारना था।

श्री के.थोमस जॉब,उपमहानिरीक्षक(प्रशिक्षण) आ.सु.अ.,केरिपुबल ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रतिभागियों को अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने वामपंथी उग्रवाद और अन्य संघर्ष थिएटरों में परिचालन दक्षता और युद्ध कौशल बढ़ाने की बात कही साथ ही प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम के दौरान चौकस रहने के लिए कहा।

श्री डी.एस.राठौड़ उपमहानिरीक्षक (प्रशासन) आ.सु.अ.,केरिपुबल, ने पाठ्यक्रम के समापन की शोभा बढ़ाई। प्रतिभागियों को अपने संबोधन में, उन्होंने पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए उन्हें बधाई दी और उन्होंने प्रतिभागियों को एक अच्छे ग्राउंड कमांडर के गुणों के बारे में भी जानकारी दी।

श्री के.थोमस जॉब,उपमहानिरीक्षक (प्रशिक्षण) आ.सु.अ.,केरिपुबल द्वारा ऑनलाइन उद्घाटन किया गया ।

निदेशक आं.सुअ. अकादमी के नेतृत्व में संकाय अधिकारियों तथा विभिन्न प्रख्यात वक्ताओं जैसे, श्री अभिषेक अवध, सहायक प्रोफेसर, पुलिस प्रशासन, आरआरयू, प्रोफेसर हिमांशु रॉय, सीनियर फेलो (एनएमएमएल), प्रोफेसर पी. के. जैन, पूर्व डीन और एच ओ डी, एमएलएस यूनिवर्सिटी, उदयपुर, श्री किशोर कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी , 229 बटालियन, डॉ. बी.के. बिन्नी सरीन, प्रबंधन सलाहकार, डॉ. डी.के. गुप्ता, स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन विशेषज्ञ, श्री मुकेश चौधरी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, ने देश के विभिन्न हिस्सों से ऑनलाइन व्याख्यान दिए और प्रतिभागियों के ज्ञान को बढ़ाया । सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

श्री अभिषेक अवध, सहायक प्रोफेसर, आरआरयू, एक ऑनलाइन सत्र में, "वामपंथी उग्रवाद और बलों की भूमिका-तैनाती में लाभ/कमी" पर व्याख्यान देते हुए।

श्री टी.पी.सिंह, उप कमा.(प्रशिक्षण),आंसुअ, एक ऑनलाइन सत्र में, "गूगल/डिजिटल/टेरा, मानचित्रों की सहायता से परिनियोजन पर ब्रीफिंग," पर व्याख्यान देते हुए।

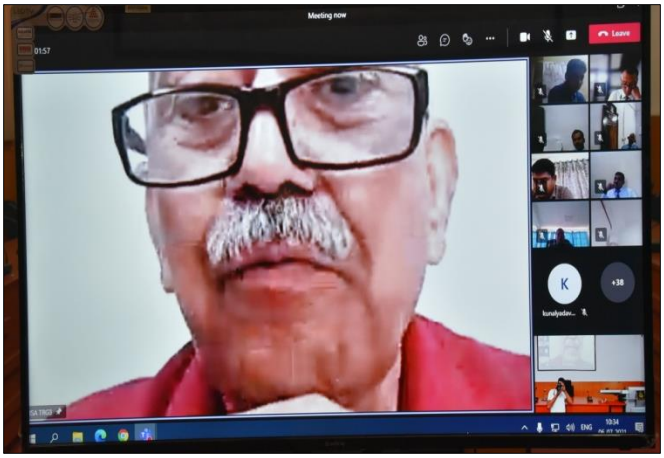

प्रोफेसर हिमांशु रॉय, सीनियर फेलो (एनएमएमएल), एक ऑनलाइन सत्र में, "शहरी नक्सलवाद: भविष्य का परिप्रेक्ष्य" पर व्याख्यान देते हुए।

श्री अमित देसवाल,सहा.कमा.(प्रशिक्षण),आंसुअ, एक ऑनलाइन सत्र में, "ओपीएस की योजना और निष्पादन –टी.डब्लू ई टी," पर व्याख्यान देते हुए।

पी. के. जैन, पूर्व डीन और एचओडी, एमएलएस यूनिवर्सिटी, उदयपुर, एक ऑनलाइन सत्र में, "प्रेरक तकनीक और उच्च प्रदर्शन करने वाली टीम बनाना" पर व्याख्यान देते हुए।

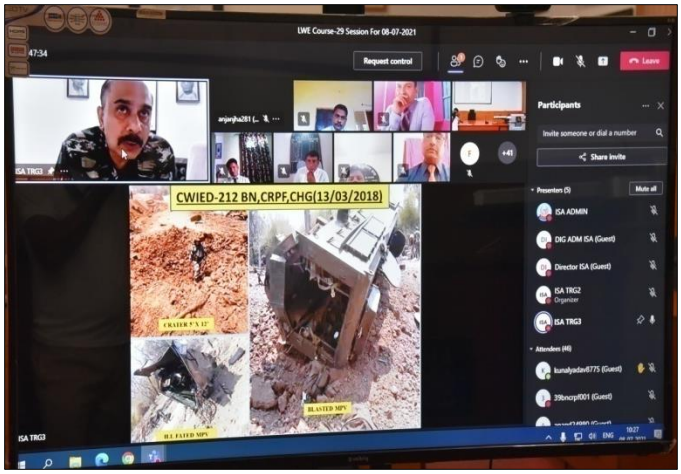

श्री किशोर कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी , 229 बटालियन, एक ऑनलाइन सत्र में, "नक्सल क्षेत्र में आईईडी की वर्तमान चुनौतियां" पर व्याख्यान देते हुए।

श्री संजय कुमार पूनिया, उप.कमा.(भवन),आ.सु.अ., एक ऑनलाइन सत्र में, "वामपंथी उग्रवाद से संबंधित नवीनतम खुफिया रिपोर्ट- चर्चा और अनुभव साझा करना" पर व्याख्यान देते हुए ।

डॉ. बी.के. बिन्नी सरीन, प्रबंधन सलाहकार, एक ऑनलाइन सत्र में, "तनाव प्रबंधन- इससे निपटने की तकनीक" पर व्याख्यान देते हुए ।

डॉ. डी. के. गुप्ता, स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन विशेषज्ञ, एक ऑनलाइन सत्र में, "कोविड-19 की एहतियात पर शिक्षित करना: नागरिक कार्रवाई" पर व्याख्यान देते हुए ।

श्री मुकेश चौधरी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, एक ऑनलाइन सत्र में, "साइबर सुरक्षा चुनौतियां और सोशल मीडिया का उपयोग" पर व्याख्यान देते हुए ।

श्री करतार सिंह कपूर, उप.कमा.(प्रशा.),आ.सु.अ.,एक ऑनलाइन सत्र में, "वामपंथी उग्रवाद क्षेत्र में प्रतिक्रिया के साथ मानवाधिकार का मामला। वामपंथी उग्रवाद क्षेत्र में मानव संसाधन उल्लंघन के विभिन्न मामले" पर व्याख्यान देते हुए ।

श्री के. के.पाण्डेय कमाडेंट. (प्रशा.एवं प्रशि),आ.सु.अ., एक ऑनलाइन सत्र में, "पुलिस और सुरक्षा बलों के सामने वामपंथी उग्रवाद में चुनौतियां" पर व्याख्यान देते हुए ।

श्री डी. एस. राठौर उपमहानिरीक्षक(प्रशा.) आ.सु.अ.,केरिपुबल माउंट आबू द्वारा समापन समारोह ।